ৰীৱ 1) n. Trik. 3, 3, 7. a) Same (von Pflanzen und Thieren); Saatkorn, Korn Naigh. 2, 2. AK. 2, 6, 2, 13. Taik. 3, 3, 37. H. 629. au. 2, 73. Med. g. 16. g. Halis. 3,16. येने तोकाय तर्नयाय धान्यं विजे वर्रुधे म्रहितम् RV. 5,83,13. वर्षतो बीर्जमिव धान्याकृतः 10,94,13. 101, 3. das Weib, यस्या बीर्ज मनुष्याई वर्षास 85,37. Av. 3,23,4. यथा बीर्जमुर्विराया कृष्टि फोलेन राकृति 10, 6.33. 14, 2.14. बिज्ञ बीर्जम् TS. 7, 5, 30, 1. ÇAT. Ba. 3,3,3,17. 8,6,2,2. নানা≎ Kātj. Ça. 2,4,10. Gobh. 2, 9, 5. Kauç. 24. Sugn. 1,34,4. वीजार्य 48,12. KAP. 1,10. वीजे स्थास्त् चिर्ज् च M. 1,56. ताम् (म्रप्स्) वीत्रमवामृतत् ३ शिरांसि पार्रताणां वीत्रवत्प्रवपन्मुङः **D**васр. 8,10. Внас. Р. 8,24,34. die Erde, यामाकुः सर्ववीजप्रकातिरित Çik. 1. वीजाप्तिविधि Verz. d. Oxf. H. 325, a, 4. नाराजके जनपरें बीजमु-ष्टिः प्रकीर्यते Spr. 4417. Rach. 19,57. वीजाञ्चलि Makkin. 6,20. प्राप्तवी-जमिव तेत्रम् R. 4, 13, 39. न तस्य वीजं रेाकृति वीजकाले MBn. 5, 386. बीजेरङ्कारितम् Spr. 1972. वीजमुप्तमिवाषरे R. 3. 44, 3. M. 2, 112. पत्रीरिपी वीजमुद्धा न बंगा लभते फलम् 3.142. उप्यते यहि यहीजं तत्त्रदेव प्रोगह-ति १,४०. यादशं तूप्यते वीन्नं तेत्रे कालीपपादिते। तादयोक्ति तत्तिमम्बीनं स्वैर्व्यञ्जितं गुपीः ॥ Spr. 2469. 2468. 3809. 130. ग्रावीतकाञ्चनै वेंश्यम् (शापयेत्) M. 8, 113. 88. सु॰ 10, 69. बीजबन्धनप्रवेशने Verz. d. Oxf. H. 86, b, 27. न्ययोधस्य यद्या बीजं (so v. a. Auslänfer) स्तोकं सूत्तेत्रभूमिगम् । वकुविस्तीर्पाता पाति Spr. 1636. फालकृष्टा मर्की द्वा सबीता सफलो-र्माप мвн. 13.3133. Çік. 91.14. 131. तता भूमि व्यद्धात्पञ्चवीजाम् мвн. 13,7394. तेत्रभूता स्मृता नारी वीजभूतः स्मृतः पुमान् M.9,33. वीजपे।न्योः 56. 35. 37. Bala. P. 4. 6. 42. यहमाद्वीतप्रभावेण तिर्यम्ता ऋषया अभवन् । पुतिताद्य प्रशस्ताद्य तस्मादीतं प्रशस्पते ॥ M. 10,72. तपावीतप्रभावै: der männliche Same so v. a. Ursprung von Vaters Seite 42. बीजमूता वर्ष केचिद्वशिष्टाः den Samen zur künftigen Generation bildend MBu. 3, 15359. VP. bei Mur, ST. I, 149, N. 75. °स्तम्म. °स्तम्भन Verz. d. Oxf. H. No. 738. ेपायपा Verz. d. B. H. 278, 7 v. u. — b) uneig. Keim, Element, Anfang, Entstehungsgrund AK. 1, 1, 4,6. TRIK. 3,3,87. H. 1513. н. ап. мвр. तेपां खल्वेषां भूतानां त्रीएयेव वीज्ञानि भवत्त्याएउजं जीवज-मुद्भिक्तिमिति Khind. Up. 6.3,1. चिकित्सितस्य Suga. 1, 3, 20. 2, 360, 14. ्त्रयस्कृतीः) सरुष्रशो अपि कुर्वेति वीजेनानेन बुडिमान् nach diesen Elementen, Grundlagen 2,76,15. 355,9. मक्तस्तेजसी वीजे बाली ऽयं प्रति-भाति मे Çik. 174. मया तावनीतिवीज्ञनिर्वापणं कृतम् Раякат. 85, 17. 20. लीन o veranlasst durch MBH. 14, 2784. KAP. 3, 3. JOGAS. 1, 25. NILAE. 34. मोरुस्पोत्पत्तिबीजम् Spr. 2593. तिह्न वीजिमिरुापराम् Katulis. 15, 134. भाष्यवीजानुसारिन् Ind. St. 5,160,1. HAEB. Anth. 410, Cl. 3. PRAB. 10,11. 70,1. 93,7. एतल्लानावताराणा निधानं वीजमव्ययम् Buig. P. 1,3,5 (citirt von Nilak. bei Muir, ST. IV, 221). 17, 18. 2,1,17. 3,28,1. 5,6,1. 7,10, 3. प्रवायादिनीजाय 8, 3, 2. Schol. zu Gaim. 1, 2. der Keim eines Gedichts, eines Zauberspruchs u. s. w., aus dem sich das Uebrige entwickelt, R. 1,3,1. BHAG. P. I, Einl. LXX, N. 1. Verz. d. Oxf. H. 4,a (No. 28). 104, b, 10. fg. No. 161. Verz. d. B. H. No. 1289. 1350. eines Dramas DAÇAR. 1, 16. 23. 26. 33. 39. 46. 3, 3. PRATÂPAR. 20, b, 9. — c) Analysis, Algebra Coleba. Alg. 130. 195. भास्कारीय॰ Ind. St. 2, 253. ॰ झोका: Verz. d. B. H. No. 830. गणितं वीजं (vgl. बीजगणित) 868. — d) Quecksilber (?) Scrippes, 13, 20, 23, बीजं प्रतिपामि (als Zaubermittel), नितिप्तं बीजं न का-चित्स्फार्भिवति Makku. 49,5. — e) = तत्त्व Wuhrheit Taik. H. an. Med.

— f) = म्राधान H. an. Med. receptacle, place of deposit or preparation Wilson. — g) Mark Rigan.imÇKDa. — 2) m. = बीतना. बीतपूर्त Citro nenbaum Abiabhatta in Journ. of the Am. Or. S. 6,338,6 und Colebb. Alg. 315. — Vgl. झबीत, म्रायीत, नरुवीता, ड्योतिबीत, प्रस्त्रीत. पी-तबीता, प्रम्त्रीत, पूर्ण, बिक्त .

জীৱক (von জীৱ) 1) n. Same Suga. 2, 527, 13. — 2) m. a) Citronenbaum, Citrus medica Lin. র্ ক্র্রিটা. im ÇKDa. Hariv. 8934, R. 2.94, 9 (103, 9 Gora.). Colebr. Alg. 313. Citrone Suga. 2, 52, 5. 69, 21. 152, 9. 159, 12. Çârăg. Sami. 1, 1, 42. Terminalia tomentosa W. et A. Râgan. im ÇKDa. — b) Armlage des Kindes bei der Geburt Suga. 1, 277, 19. 278, 2. — c) N. pr. eines Dichters Verz. d. Oxf. H. 124, a. — Vgl. স্থলারক, জীর, জীর্ঘ. জীরক্রিয়ে (জীর — ক্র) m. Samenhervorbringer, Beiw. Çiva's Çiv. লীরকুর (জীর — ক্র) adj. Samen erzeugend; n. ein Aphrodisiacum Răgax. im ÇKDa.

वीजनेश (बीज + केश्य) m. Samenkapsel. insbes. der Lotusblume AK. 1,2.3,42. H. 1165. Halás. 3,60. राजीव Trik. 3,3,34. पदाबीजनेश्यो f. dass. 3.4,4.16. वीजनेश्यो f. Schole H. 1130. Halás. 2,34.

बोजिक्रिया(बीज + क्रि॰) f. eine algebraische Auflösung Colebb. Alg. 130. बोजगिषात (बीज + ग॰) n. Algebra Colebb. Alg. 129. fgg. 246. बोजगर्भ (बीज → गर्भ) m. Trichosanthes dioeca Roxb. (पराल) Riéan. im ÇKDs.

बीजगृप्ति (बीज + गुः) f. Schote Rieax. im ÇKDn.

লীরন (von নীর) n. das Grundsein Nilak. bei Muia, ST. IV, 221.

बीजर्शक (बीज + द्°) m. Schauspieldirector (den Keim, den ersten Anfung eines Schauspiels, den Augen der Zuschauer vorführend) H. ç. 80.

बीतधानी (बीत + धा°) f. N. pr. eines Flusses R. Gonn. 2,73,3. बीतधान्य (बीत + धा°) n. Koriander (धान्यक) Rióan. im ÇKDa.

নীরবাহ্ব (নীর → पा°) m. Semecarpus Anacardium Lin. (শহ্নানেক) Rián, im ÇKDs.

बीजपुर Suça. 2,496,2 fehlerhaft für ेपूर.

बीजपुष्प (बीज + पु॰) n. N. zweier Pflanzen. = मह्तवक und मद्न Mr. p. 29.

बीजपुष्पिका (wie eben) f. Andropogon saccharatus Roxb. (देवधान्य) H. 1178.

লার বুর্ (নার + বুর্) m. Citrus medica Lin.; Citrone AK. 2, 4, 3, 59.
H. 1150. RATNAM. 66. ° মে Suça. 2,453,8. 496,2 (falschlich oুরু). Çânñg.
Samh. 2,1,12. 27. 2,14. ° বুরের dass. MBH. 3,11568. R. 2, 91, 30 (100, 27
GORR.). 3,17,8. BHÁG. P. 8,2,11. Suça. 1,215,15. 2,328,11. 425,16. 462.3.

बीजपूर्ण (बीज + पूर्ण) m. dass. RATNAM. 66. Suça. 2,515,15.

बीजपेशिका (बीज + पे°) f. Hodensack Riéan. im ÇKDR.

লীৱদ্মনাঘ (লীৱ → স°) m. Titel cines Commentars zum Bigʻagaņita Colebr. Misc. Ess. II, 453.

बीतप्रोहिन् (बीत + प्र°) adj. aus Samen hervorschiessend: बीत-काएउप्रोहिण: M. 1,46.

बीরफलक (बीর + फल) m. Citrus medica; Citrone Riéan. im ÇKDn. बीরमति (बीর + म°) f. Sinn für die Erkenntniss des Grundes Co-.een. Alg. 246.

बीजमस्त्र (बीज + म°) n. Bez. einer mystischen Silbe, mit der eine